विश्व की सबसे बड़ी पतंग द्वारा परमात्म अवतरण का शुभसंदेश

बेलगाम। 78वीं त्रिमूर्ति शिव जयन्ती के अवसर पर इस पावन पर्व के लक्ष्य और उद्देश्य के बारे में समझाते हुए ब्र.कु.वसंता ने कहा कि सभी धर्मों के लोग जिस परमात्मा की बंदगी करते आए हैं उसी परमपिता शिव के समस्त भारतवर्ष में द्वादश ज्योतिर्लिंग के रूप में यादगार बने हुए हैं। जब धरती पर सभी आत्माएं दु:खी, अशांत व पतित हो जाती हैं तब परमात्मा इस धरा पर पुन: ब्रह्मा तन द्वारा पतित सृष्टि को पावन कर सुंदर दैवी स्वराज्य स्थापित करने हेतु अवतरित होते हैं। वही समय अभी चल रहा है जब वे अधर्म व असत्य का नाश और एक सत्य धर्म की पुन: स्थापना कर रहे हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित शा.ब्र. शिवाचार्य चंद्रशेखर हुक्केरी स्वामी जी ने अपने वक्तव्य में सबको सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी धर्मों में विचारधाराएं अलग होने के कारण मतभेद हैं परन्तु प्रेम से बड़ा मंत्र कोई नहीं है। जब अहंकार को हटाएंगे तब ही सारी दुनिया एक हो पाएगी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में आने के पश्चात् भाईचारे की भावना एवं अपनापन जागृत होता है। पूज्य श्री नारायण शरण जी,गोकाक ने कहा कि सारे विश्व में सबसे ज़्यादा त्याग और से-वाभाव ब्रह्माकुमारीज़ में ही दिखाई देता है। परमात्मा निराकार ज्योतिर्बिन्दु है और उसका संदेश जन-जन तक पहुँचाने वाली संस्था यह विश्वविद्यालय ही है। 9 बार मिस्टर इंडिया रह चुके सुहास खामकर और मलेशियन यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर डॉ. राजशेखर ने शुभकामनाएं व्यक्त की।

इसके पूर्व आए हुए सभी मेहमानों का स्वागत ब्र.कु.विजु ने किया तथा ब्र.कु.विद्या ने संस्था का परिचय देते हुए सभी मुख्य अतिथियों को तिलक एवं बैज लगाए। कुमारी अश्विनी ने स्वागत नृत्य द्वारा सभी का मन मोह लिया। ब्र.कु. गंगाधर, माउण्ट आबू ने बताया कि शिव अवतरण महोत्सव में जैसे पतंग को ऊपर चढ़ाने के लिए रस्सी को खींचना भी पड़ता है और लूज़ भी छोड़ना होता है तभी वो आकाश में ऊँचे से ऊँचा उड़ती है। ऐसे ही हमारे जीवन में भी आने वाली परिस्थितियों और कठिनाइयों को धैर्यतापूर्वक पार करना चाहिए न कि हलचल व तनाव में आकर। साथ ही उन्होंने अवतरण और अवतार, इन दो चीज़ों का भेद समझाते हुए कहा कि अवतरण परकाया में प्रवेश होकर होता है जबकि अवतारी पुरुष का जन्म माँ की कोख से होता है। इसलिए परमात्मा का अवतरण होता है, अवतार नहीं। वो जन्म नहीं लेता, परकाया प्रवेश करता है।

इसके पहले कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन करके शुभारंभ किया गया तथा विश्व की सबसे बड़ी पतंग को उड़ाया गया।

बेलगाम। कैंडल लाइटिंग करते हुए शा.ब्र. शिवाचार्य चंद्रशेखर हुक्केरी स्वामी जी, श्री नारायण शरण जी,गोकाक, डॉ. राजशेखर, सुहास खामकर, ब्र.कु.गंगाधर, ब्र.कु.अंबिका, ब्र.कु.विद्या, ब्र.कु.वसंता तथा अन्य।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़, बेलगाम की ओर से विश्व की सबसे बड़ी पतंग द्वारा परमात्म अवतरण का शुभ संदेश दिया गया। 203 फीट ऊंची, 73 फीट चौड़ी तथा 150 किलो ग्राम वजन की सबसे बड़ी पतंग का विश्व कीर्तिमान ब्र.कु. अंबिका ने सफलता पूर्वक स्थापित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन द्वारा हुआ जिसमें शा.ब्र. शिवाचार्य स्वामीजी, मि. ओलम्पिया में सिलवर मैडल जीतने वाले पहले भारतीय, मि. वर्ल्ड में ब्रॉन्ज मैडल विजेता, मि. एशिया में गोल्ड मैडल विजेता तथा लगातार 9 बार मि. इंडिया का खिताब जीतने वाले विश्व विख्यात बॉडी बिल्डर सुहास खामकर, ओम शान्ति मीडिया के मुख्य संपादक ब्र.कु. गंगाधर, आयोजक ब्र.कु. अंबिका, इस विश्व कीर्तिमान के संयोजक ब्र.कु. दीपक उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दो मिनट के योग द्वारा किया गया। ब्र.कु. विजयलक्ष्मी ने सभी अतिथियों का शब्दों से स्वागत किया। ब्र.कु. वसंता ने महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताया। वर्ल्ड अमेज़िंग रिकॉर्ड्स के अध्यक्ष पनव सोलंकी ने पतंग का निरीक्षण करके इस रिकॉर्ड को वर्ल्ड अमेज़िंग रिकॉर्ड्स में शामिल किये जाने की घोषणा की, तथा रिकॉर्ड के लिए प्रमाणपत्र एवं ट्रॉफी, आयोजक ब्र.कु. अंबिका तथा संयोजक ब्र.कु. दीपक को प्रदान किया। वर्ल्ड अमेज़िंग रिकॉर्ड्स के बाद इस विश्व कीर्तिमान को लिमका बुक और रिकॉर्ड्स, रिकॉर्ड होल्डर रिपब्लिक, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, एवरेस्ट बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, यूनीक वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में जल्द ही शामिल किया जाएगा।

विश्व-परिवर्तन के लिए आत्म-परिवर्तन ज़रूरी

लुधियाना। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की लुधियाना केन्द्र प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. राजकुमारी की उपस्थिति में गांव झांडे स्थित विश्व शान्ति सदन में ब्र.कु. शिवानी (अवेकनिंग विद ब्रह्माकुमारीज़ कार्यक्रम की मशहूर प्रवक्ता) की प्रेरणादायक वार्ताओं की श्रृंखला का शुभारंभ हुआ।

दो अलग-अलग स्तरों में जनसमुदाय को संबोधित करते हुए ब्र.कु. शिवानी ने 'नारी सशक्तिकरण' व 'अपेक्षाओं से स्वीकृति तक' (एक्सपेक्टेशन टू एक्सैपटैंस) विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि नारी लंबे समय से घरेलु स्त्री व माँ के रूप में भूमिका निभाती रही है परन्तु अब मात्र घर की ज़िम्मेदारियों से ऊपर उठकर वह अपने अस्तित्व की पहचान बनाने व आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के लिए घर से बाहर कदम रखने लगी है। हमारा समाज भी इसके इस बदलते रूप के नतीजों को अपनाने की कोशिश कर रहा है। तेज़ी से बदलते समाज में नारी को अपनी स्थिति को पुन: परिभाषित करने के लिए रूढ़ीवादिता से संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने महिलाओं से प्रश्न किया कि क्या वह अधीनता व अक्रियशीलता को बंद नहीं कर सकतीं? और सदियों से चले आ रहे दमन से ऊपर नहीं उठ सकतीं? उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक सशक्तिकरण इन सब सवालों का एकमात्र जवाब है। यह संतुलन बनाए रखने का एक विशिष्ट तरीका है। सशक्तिकरण आत्मिक समझ से प्रारंभ होता है। आत्मा की आंतरिक शक्तियों में स्त्री एवं पुरुष दोनों की शक्तियाँ समाहित होती हैं। आध्यात्मिक सशक्तिकरण व्यक्ति को इन्हीं आंतरिक शक्तियों की महसूसता कराता है तथा स्त्री एवं पुरुष तत्वों का एक सौहार्दपूर्ण संतुलन स्थापित करता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ब्रह्माकुमारीज़ अपनी महिला विंग द्वारा दुनियाभर में स्त्रियों के आध्यात्मिक सशक्तिकरण की ओर प्रतिबद्ध है। यह विश्वविद्यालय सभी लोगों में भी आध्यात्मिक उन्नति के साथ-साथ इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए जागरुकता लाने में मदद करता है। एक अन्य स्तर में 'अपेक्षाओं से स्वीकृति तक' (एक्सपेक्टेशन टू एक्सैपटैंस) पर वार्ता करते हुए उन्होंने बताया कि जब हम दूसरों से अपेक्षाओं की जगह उनके प्रति स्वीकृति की ओर बढ़ते हैं तो हमें अद्भुत अनुभूति होती है। हम अपने आप को अधिक हल्का, खुश एवं शान्त अनुभव करते हैं। अपेक्षा-रहित होने से हम दूसरों के गुणों की सराहना करना सीखते हैं और जीवन के प्रति अधिक सहज हो जाते हैं। उन्होंने राजयोग के अभ्यास द्वारा जनसमुदाय को शान्ति एवं आनंद का अनुभव भी कराया।

ब्रह्माकुमारी संस्था के बारे में जानकारी देते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. राजकुमारी ने कहा कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था है जो आध्यात्मिक एवं मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रदान कर रही है। इसके विश्व भर में 9000 सेवाकेन्द्र हैं तथा 140 देशों में आध्यात्मिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र के साथ एक गैर राजकीय संस्था के रूप में संलग्न है तथा एकोनॉमिक एण्ड सोशियल काउंसिल एवं यूनीसेफ के साथ सलाहकार के रूप में कार्यरत है।

लुधियाना। ब्र.कु.शिवानी जनसमुदाय को 'नारी सशक्तिकरण' व 'अपेक्षाओं से स्वीकृति तक' विषयों पर सम्बोधित करते हुए।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 170 रुपये, तीन वर्ष 510 रुपये, आजीवन 4000 रुपये । विदेश - 2000 रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/12-14, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2013-14, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।